थाती शोध पत्रिका
अंतर्राष्ट्रीय त्रैमासिक सहकर्मी-समीक्षित, ओपन एक्सेस शोध पत्रिका
ISSN(O) : 2584-2722
वर्ष 1, अंक 2, जनवरी - मार्च 2024
Online Available : https://thati.net/

भारत में जल संकट: कारण और समाधान

डॉ. अशोक कुमार, सहायक प्रोफेसर, समाजशास्त्र विभाग, राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, हिसार, हरियाणा

प्रस्तावना

भारत में जल संकट एक गंभीर समस्या है जो देश के विभिन्न हिस्सों में अलग-अलग रूपों में प्रकट होती है। पानी की कमी, जल स्रोतों का प्रदूषण, और जल प्रबंधन की कमी जैसे मुद्दे देश की समृद्धि और विकास के लिए बड़ी चुनौतियाँ हैं। इस शोध पत्र में, हम भारत में जल संकट के कारणों का विश्लेषण करेंगे और विभिन्न समाधानों पर चर्चा करेंगे जो इस समस्या का समाधान करने में सहायक हो सकते हैं।

जल संकट के कारण

1. जलवायु परिवर्तन

जलवायु परिवर्तन के कारण वर्षा के पैटर्न में बदलाव आ रहा है। कहीं अधिक वर्षा हो रही है तो कहीं सूखा पड़ रहा है। इसका परिणाम यह है कि जल स्रोतों में पानी की कमी हो रही है और भूमिगत जल स्तर घट रहा है।

2. बढ़ती जनसंख्या

भारत की जनसंख्या तेजी से बढ़ रही है, जिससे जल की मांग में भी वृद्धि हो रही है। शहरीकरण और औद्योगीकरण के कारण जल की मांग और भी बढ़ गई है, जिससे जल संकट गहराता जा रहा है।

3. जल प्रबंधन की कमी

भारत में जल प्रबंधन की प्रणाली में कई खामियाँ हैं। जल संसाधनों का असमान वितरण, अपर्याप्त जल संरक्षण उपाय, और कुशल जल प्रबंधन की कमी के कारण जल संकट बढ़ रहा है।

4. प्रदूषण

नदियों, झीलों और अन्य जल स्रोतों में औद्योगिक कचरे, रसायनों और घरेलू अपशिष्टों के प्रवाह के कारण जल प्रदूषण बढ़ रहा है। इसका परिणाम यह है कि पीने योग्य पानी की मात्रा घट रही है।

5. कृषि में जल की अत्यधिक खपत

थाती शोध पत्रिका
अंतर्राष्ट्रीय त्रैमासिक सहकर्मी-समीक्षित, ओपन एक्सेस शोध पत्रिका
ISSN(O) : 2584-2722
वर्ष 1, अंक 2, जनवरी - मार्च 2024
Online Available : https://thati.net/

भारत में कृषि क्षेत्र में जल की खपत अत्यधिक है। परंपरागत सिंचाई पद्धतियाँ और अधिक पानी वाली फसलें जल संकट को और बढ़ा रही हैं।

6. जल संरक्षण की कमी

जल संरक्षण के उपायों की कमी और जागरूकता के अभाव में लोग पानी का अपव्यय करते हैं। जल संरक्षण के प्रति समाज की उदासीनता भी जल संकट का एक महत्वपूर्ण कारण है।

जल संकट के समाधान

1. जल प्रबंधन में सुधार

जल प्रबंधन की प्रणाली में सुधार किया जाना आवश्यक है। जल संसाधनों का कुशल और समान वितरण सुनिश्चित करने के लिए नीति और योजना में बदलाव की जरूरत है।

2. जल संरक्षण के उपाय

जल संरक्षण के उपायों को अपनाना आवश्यक है। वर्षा जल संग्रहण (रेन वाटर हार्वेस्टिंग), पानी के पुन: उपयोग (रिसाइक्लिंग), और जल सहेजने के लिए नई तकनीकों का प्रयोग किया जाना चाहिए।

3. प्रदूषण नियंत्रण

जल स्रोतों में प्रदूषण को रोकने के लिए सख्त कदम उठाने की आवश्यकता है। औद्योगिक कचरे और घरेलू अपशिष्टों के उचित निपटान के लिए कानूनों का कड़ाई से पालन किया जाना चाहिए।

4. कृषि में जल उपयोग की दक्षता

कृषि में जल उपयोग की दक्षता बढ़ाने के लिए सूक्ष्म सिंचाई पद्धतियाँ (ड्रिप इरिगेशन) और जल सहेजने वाली फसलों का प्रयोग किया जाना चाहिए। इसके अलावा, किसानों को जल संरक्षण के प्रति जागरूक करने के लिए प्रशिक्षण और सहयोग प्रदान किया जाना चाहिए।

5. जन जागरूकता

जल संकट से निपटने के लिए जन जागरूकता बढ़ाना आवश्यक है। लोगों को जल संरक्षण के महत्व और इसके उपायों के प्रति जागरूक करने के लिए विभिन्न माध्यमों का उपयोग किया जाना चाहिए।

6. सरकारी नीतियाँ और योजनाएँ

थाती शोध पत्रिका
अंतर्राष्ट्रीय त्रैमासिक सहकर्मी-समीक्षित, ओपन एक्सेस शोध पत्रिका
ISSN(O) : 2584-2722
वर्ष 1, अंक 2, जनवरी - मार्च 2024
Online Available : https://thati.net/

सरकार को जल संकट से निपटने के लिए ठोस नीतियाँ और योजनाएँ बनानी चाहिए। राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर जल प्रबंधन और संरक्षण के लिए योजनाओं का कार्यान्वयन सुनिश्चित करना आवश्यक है।

निष्कर्ष

भारत में जल संकट एक गंभीर समस्या है, लेकिन इसे प्रभावी समाधान और समुचित प्रबंधन के माध्यम से हल किया जा सकता है। जल प्रबंधन में सुधार, जल संरक्षण के उपाय, प्रदूषण नियंत्रण, कृषि में जल उपयोग की दक्षता, जन जागरूकता, और सरकारी नीतियाँ और योजनाएँ इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। यदि इन समाधानों को समुचित रूप से लागू किया जाए, तो भारत में जल संकट से निपटना संभव है और देश के समृद्धि और विकास के मार्ग को प्रशस्त किया जा सकता है।

संदर्भ

1. जल संसाधन मंत्रालय, भारत सरकार की रिपोर्ट्स
2. जलवायु परिवर्तन पर राष्ट्रीय अध्ययन
3. कृषि मंत्रालय की जल उपयोग दक्षता पर रिपोर्ट
4. केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की रिपोर्ट्स
5. विभिन्न जल संरक्षण परियोजनाओं की सफलता कहानियाँ
6. जल प्रबंधन पर राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय शोध पत्र
7. जन जागरूकता कार्यक्रमों पर रिपोर्ट्स और अध्ययन